आधुनिक भारत का इतिहास

(खंड-2)

-मणिकांत सिंह

1. 19वीं शताब्दी में बंगाल में वस्त्र उद्योग के अवसान का निम्नलिखित में से कौन-सा कारण था?

(a) उत्पादन की गुणवत्ता में ह्रास

(b) कच्चे माल की अनुपलब्धता

(c) ब्रिटेन को होने वाले निर्यात की प्रशुल्क दर का ऊँचा होना

(d) कारीगरों की अनुपलब्धता

2. अकृषकीकरण प्रक्रिया का एक प्रमुख परिणाम था–

(a) औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि

(b) वाणिज्य वस्तु के रूप में भूमि के मूल्य में क्षरण

(c) भूमिहीन कृषक मजदूरों की वृद्धि

(d) सरकार द्वारा संस्थागत वित्त पोषण का प्रारंभ

3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

भारत में ब्रिटिश शासन के अंतर्गत ग्रामीण ऋणग्रस्तता का क्रमिक विकास कारण था -

1. भूमि जोत के विखण्डन का
2. कुटीर उद्योगों के पतन का
3. ग्रामीण अर्थव्यवस्था के मौद्रीकरण
4. नकदी फसलों के चलन का

इनमें से कौन सही है?

कूट:

(a) 1, 2 व 3 (b) 2 व 4

(c) 1, 3 व 4 (d) 1, 2, 3 व 4

4. 19वीं शताब्दी में जनसंख्या में बढ़ोतरी के परिणामस्वरूप भूमि पर अत्यधिक जनसंख्या दबाव पड़ने लगा था क्योंकि-

(a) वाणिज्यिक फसलों के आगमन के कारण आर्थिक रूप से किसान कृषि की ओर आकर्षित होने लगे थे।

(b) हस्तशिल्प तथा ग्रामीण उद्योगों के विनाश के कारण जनता कृषि की ओर उन्मुख होने लगे थे।

(c) देशी सरकारों के पतन के परिणामस्वरूप रोजगार के अवसरों में कमी आ गई थी।

(d) सुरक्षा कारणों से नगरों की आबादी का ग्रामीण क्षेत्रों की ओर प्रवजन आरम्भ होने लगा था।

5. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए –

कार्नवालिस के बंगाल में स्थायी बंदोबस्त ने

1. जमींदारों को उनके भूमि के स्वामित्व से वंचित कर दिया।
2. रैयतों को जमींदारों की दया पर छोड़ दिया।
3. कम्पनी के लिए स्थायी आय सुनिश्चित की।
4. जमींदारों को ईस्ट इण्डिया कम्पनी का समर्थक बनाया।

इनमें से कौन सा कथन सही है?

(a) 1 व 4
(b) 2, 3 व 4
(c) 1, 2 व 3
(d) 1 व 4